भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 651

सोमवार, 06 फरवरी, 2023/17 माघ, 1944 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

सीमा पर्यटन को बढ़ावा

651. श्री रविन्दर कुशवाहा:

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सीमा पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा किन-किन योजनाओं का कार्यान्वयन किया जा रहा है;

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान देश में पर्यटन स्थलों के रूप में कितने सीमा स्थलों का विकास किया गया है; और

(ग) सीमावर्ती क्षेत्रों के गांवों को पर्यटन से जोड़ने के लिए योजनाओं के नाम क्या हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (ग) : पर्यटन मंत्रालय अपनी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सीमावर्ती क्षेत्रों सहित देश में पर्यटन को बढ़ावा देता है। यह देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए, सीमावर्ती राज्यों सहित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केन्द्रीय एजेंन्सियों को अपनी स्वदेश दर्शन और तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद) पर राष्ट्रीय मिशन की प्रमुख योजनाओं के तहत वित्तीय सहायता प्रदान करता है। वित्तीय सहायता विस्तृत परियोजना रिपोर्ट प्रस्तुत करने, धन की उपलब्धता और योजना दिशानिर्देशों के अनुपालन के आधार पर दी जाती है। सतत और जिम्मेदार पर्यटन स्थलों के विकास के लिए स्वदेश दर्शन योजना को अब स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी2.0) के रूप में नया रूप दिया गया है। उपरोक्त योजनाओं के तहत सीमावर्ती राज्यों में पर्यटन मंत्रालय द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण अनुबंध में दिया गया है।

इसके अतिरिक्त, मंत्रालय "घरेलू संवर्धन और आतिथ्य सहित प्रचार" (डीपीपीएच) और "बाजार विकास सहायता सहित विदेश संवर्धन और प्रचार" (ओपीएमडी) की अपनी योजनाओं के तहत सीमावर्ती राज्यों सहित विभिन्न पहलों के माध्यम से भारत का समग्र रूप संवर्धन करता है। इसकी चल रही गतिविधियों के हिस्से के रूप में, यह देश में विदेशी पर्यटकों के आगमन को बढ़ाने के उद्देश्य से भारत के विभिन्न पर्यटन स्थलों और उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए "अतुल्य भारत" ब्रांड-लाइन के तहत अंतरराष्ट्रीय बाजारों में नियमित रूप से प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, ऑनलाइन और आउटडोर मीडिया अभियान जारी करता है। पर्यटन मंत्रालय भी नियमित रूप से अपनी वेबसाइट और सोशल मीडिया प्रचार के माध्यम से विभिन्न पर्यटन स्थलों और उत्पादों को बढ़ावा देता है।

सीमावर्ती राज्यों में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन मंत्रालय की कुछ प्रमुख पहलें और प्रयास नीचे दिए गए हैं :

i) 2017-18 में संयुक्त चेक पोस्ट (जेसीपी), अट्टारी, पंजाब में पर्यटन संबंधी संरचना के विकास के

लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को 1312.00 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई थी।

ii) सड़क संपर्क और मार्गस्थ सुविधाएं -

पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों सहित पर्यटन स्थलों के लिए सड़क संपर्क और मार्गस्थ सुविधाओं में सुधार के लिए, इस मामले को सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के साथ उठाया है। सीमा पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन मंत्रालय ने सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के साथ निम्नलिखित तीन (03) सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क संपर्क और मार्गस्थ सुविधाओं में सुधार के लिए मामला उठाया है:

i. पैंगोंग झील, लद्दाख,
ii. कारगिल, लद्दाख और
iii. ऋषिकेश, उत्तराखंड

इसके अलावा, गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने इन गांवों को "जीवंत गांवों" के रूप में बदलने के लिए उत्तरी सीमा पर चार राज्यों यथा अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में 17 गांवों की पहचान की है। जिसमें पर्यटन की बुनियादी संरचना और गतिविधियों के विकास को प्रमुख हस्तक्षेपों में से एक के रूप में पहचान की गई है।

****

अनुबंध

सीमा पर्यटन को बढ़ावा के सम्बन्ध में दिनांक 06.02.2023 के लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. 651 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में विवरण

पर्यटन मंत्रालय द्वारा सीमावर्ती राज्यों में स्वदेश दर्शन योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण:-

स्वदेश दर्शन योजना (करोड़ रुपए में)

क्र. सं.	राज्य / संघ राज्य क्षेत्र	परिपथ	स्वीकृत वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि
1.	अरुणाचल प्रदेश	पूर्वोत्तर परिपथ	2014-15	भालुकपोंग - बोमडिला और तवांग का विकास।	49.77
2.	अरुणाचल प्रदेश	पूर्वोत्तर परिपथ	2015-16	नेफ्रा- सेपा- पप्पू-पासा- पक्के घाटी-संगड्डूपोट-न्यू सागले, जीरो, योमचा का विकास	96.72
3.	असम	वन्यजीव परिपथ	2015-16	मानस - प्रोबीतोरा - नामेरी - काजीरंगा - डिब्रू - सैखोवा का विकास।	94.68
4.	असम	विरासत परिपथ	2016-17	तेजपुर - मजूली - सिबसागर का विकास	90.98
5.	बिहार	तीर्थंकर परिपथ	2016-17	वैशाली - आरा - मसाद - पटना - राजगीर - पावापुरी - चंपापुरी का विकास	37.19
6.	बिहार	आध्यात्मिक परिपथ	2016-17	कांवड़िया मार्ग का विकास : सुल्तानगंज - धर्मशाला – देवघर	44.76
7.	बिहार	बौद्ध परिपथ	2016-17	बोधगया में कन्वेंशन सेंटर का निर्माण	98.73
8.	बिहार	ग्रामीण परिपथ	2017-18	भितिहरवा - चंद्रहिया – तुर्कौलिया का विकास	44.65
9.	बिहार	आध्यात्मिक परिपथ	2017-18	मंदार हिल और अंग प्रदेश का विकास	47.53
10.	गुजरात	विरासत परिपथ	2016-17	अहमदाबाद - राजकोट - पोरबंदर - बारडोली - डांडी का विकास।	58.42
11.	गुजरात	विरासत परिपथ	2016-17	वडनगर और मोढेरा का विकास	91.11
12.	गुजरात	बौद्ध परिपथ	2017-18	जूनागढ़ - गिर सोमनाथ - भरूच - कच्छ - भावनगर - राजकोट - मेहसाणा का विकास	26.68
13.	हिमाचल प्रदेश	हिमालयन परिपथ	2016-17	कियारीघाट, शिमला, हटकोटी, मनाली, कांगड़ा, धर्मशाला, बीर, पालमपुर, चंबा में	80.69

				हिमालयन परिपथ का विकास	
14.	जम्मू एवं कश्मीर	हिमालयन परिपथ	2016-17	जम्मू-श्रीनगर-पहलगांव-भगवती नगर-अनंतनाग-सलामाबाद उरी-कारगील-लेह का विकास ।	77.33
15.	जम्मू एवं कश्मीर	हिमालयन परिपथ	2016-17	जम्मू - राजौरी - शोपिया - पुलवामा में पर्यटक सुविधाओं का विकास	84.46
16.	जम्मू एवं कश्मीर	हिमालयन परिपथ	2016-17	प्रधानमंत्री विकास पैकेज के तहत 2014 में बाढ़ के कारण नष्ट हो चुकी परिसंपत्तियों के बदले में निर्माण के तहत पर्यटक सुविधाओं का विकास।	90.43
17.	जम्मू एवं कश्मीर	हिमालयन परिपथ	2016-17	मंतलाई एवं सुधमहादेव में पर्यटक सुविधाओं का विकास	90.85
18.	जम्मू एवं कश्मीर	हिमालयन परिपथ	2016-17	अनंतनाग – किश्तवार- पहलगाम - दकसुम - रंजीत सागर बांध में पर्यटक सुविधाओं का विकास	87.44
19.	जम्मू एवं कश्मीर	हिमालयन परिपथ	2016-17	गुलमर्ग - बारामुला - कुपवाड़ा -कारगील लेह में पर्यटक सुविधाओं का विकास	91.84
20.	मणिपुर	पूर्वोत्तर परिपथ 2015-16		मणिपुरः इंफाल - कोंगजोम में पर्यटक परिपथ का विकास	72.23
21.	मणिपुर	आध्यात्मिक परिपथ	2016-17	श्री गोविंदजी मंदिर, श्री बिजॉय गोविंदजी मंदिर- श्री गोपीनाथ मंदिर- श्री बॉग्शीबोदोन मंदिर- श्री कैना मंदिर का विकास	53.8
22.	मेघालय	पूर्वोत्तर परिपथ	2016-17	यूमियम (लेक व्यू), यू लम - सोहपेटबनेंग - मवडियांगडियांग - ऑर्चिड लेक रिजॉर्ट का विकास।	99.13
23.	मेघालय	पूर्वोत्तर परिपथ	2018-19	पश्चिमी खासी हिल्स (नोंगखलाव - क्रेम टिरोट - खुडोई एवं खोमांग फाल्स - खरी नदी - मवथाद्रैशन, शिलांग), जयंतिया हिल्स (क्रांग सुरी फाल्स - शिरमांग - लूकसी), गारो हिल्स (नोक्रेक रिजर्व, कट्टाबील, सिजू की गुफाएं) का विकास	84.97
24.	मिजोरम	पूर्वोत्तर परिपथ	2015-16	थेंजवाल और दक्षिण जोटे, जिला सेरछिप और रईक का विकास	92.26
25.	मिजोरम	इको परिपथ	2016-17	आइजवाल - रापुईछिप - खावहपहवप - लेंगपुई - चटलांग - साकावरमुइतुइतलांग - मुथी - बेरातलवंग - तुरियल एयरफील्ड - हुमुईफांग में इको एडवेंचर परिपथ का विकास	66.37

26.	नागालैंड	जनजातीय परिपथ	2015-16	पेरेन - कोहिमा - वोखा में जनजातीय परिपथ का विकास	97.36
27.	नागालैंड	जनजातीय परिपथ	2016-17	मोकोकचुंग - तेनसांग - मोन का विकास	98.14
28.	पंजाब	विरासत परिपथ	2018-19	आनंदपुर साहिब - फतेहगढ़ साहिब - चमकौर साहिब - फिरोजपुर - अमृतसर - खटकर कलां - कलानौर – पटियाला का विकास	91.55
29.	राजस्थान	मरुस्थल परिपथ	2015-16	सांभर लेक टाउन और अन्य स्थलों का विकास।	50.01
30.	राजस्थान	कृष्ण परिपथ	2016-17	गोविंद देव जी मंदिर (जयपुर), खाटूश्याम जी मंदिर (सीकर) और नाथद्वारा (राजसमंद) का विकास।	75.80
31.	राजस्थान	आध्यात्मिक परिपथ	2016-17	चुरू (सालासर बालाजी) - जयपुर (श्री समोदे बालाजी, घाटके बालाजी, बांधे के बालाजी) - विराटनगर (बिजाक, जैन्नासिया, अंबिका मंदिर) - भरतपुर (कमान क्षेत्र) - धौलपुर (मुचकुंद) - मेहंदीपुर बालाजी - चित्तौड़गढ (सांवलिया सेठ जी) का विकास।	93.9
32.	राजस्थान	विरासत परिपथ	2017-18	राजसमंद (कुंभलगढ़ किला) – जयपुर (जयपुर एवं नाहरगढ़ किले में कृत्रिम प्रकाश व्यवस्था (रणथंबोर किला और खांदर किला) - झालावाड़ (गगरौन किला) - चित्तौड़गढ़ (चित्तौड़गढ किला)- जैसलमेर (जैसलमेर किला) - हनुमानगढ़ (गोगामेडी) - उदयपुर (प्रताप गौरव केंद्र) - धौलपुर (बाग-ए-निलोफर और पुरानी छावनी) - नागौर (मीराबाई स्मारक, मेरता)-टोंक (सुनहरी कोठी) का विकास	72.49
33.	सिक्किम	पूर्वोत्तर परिपथ	2015-16	रंगपो (प्रवेश) - रोराथांग - आरिटार - फादमचेन - नथांग - शेराथांग - सोंगमो - गंगटोक - फोडोंग - मंगन - लाचुंग - यमथांग - लाचेन - थांगु - गुरूडोंगमेर - मंगन - गंगटोक - तुमिन - लिंगी - सिंगटम (निकास) को जोड़ने वाले पर्यटक परिपथ का विकास।	98.05
34.	सिक्किम	पूर्वोत्तर परिपथ	2016-17	सिंगटम- माका - टेमी - बरमोइक टाकेल फ्रोगिंया- नामची-जोरथांग - ओखरे - सोम्बारिया - दारमदीन –जोरथांग- मेली	95.32

				(निकास) को जोड़ने वाले पर्यटक परिपथ का विकास	
35.	त्रिपुरा	पूर्वोत्तर परिपथ	2015-16	अगरतला - सिपाहिजाला - मेलाघर - उदयपुर - अमरपुर - तीर्थमुख - मंदिरघाट - दंबूर - नारीकेलकुंजा - गंडाचारा – अंबासा का विकास।	82.85
36.	त्रिपुरा	पूर्वोत्तर परिपथ	2018-19	सुरमा चेर्रा - उनाकोटी - जंपुई हिल्स - गुनाबाती - भुनानेश्वरी - नीरमहल - बोक्सानगर - चोट्टाखोला - पिलक – अवांगचारा का विकास	65.00
37.	उत्तर प्रदेश	बौद्ध परिपथ	2016-17	श्रावस्ती, कुशीनगर और कपिलवस्तु का विकास	99.97
38.	उत्तर प्रदेश	रामायण परिपथ	2016-17	चित्रकूट और श्रृंगवेरपुर का विकास	69.45
39.	उत्तर प्रदेश	आध्यात्मिक परिपथ	2016-17	अहर - अलीगढ़ - कासगंज – सरोसी (उन्नाव) - प्रतापगढ़ - उन्नाव - कौशांबी - मिर्जापुर - गोरखपुर – डोमरियागंज- बस्ती - बाराबंकी – आजमगढ़-कैराना-बागपत-शाहजहाँपुर का विकास।	71.91
40.	उत्तर प्रदेश	आध्यात्मिक –II परिपथ	2016-17	बिजनौर - मेरठ - कानपुर - कानपुर देहात - बांदा - गाजीपुर - सलेमपुर - घोसी - बलिया - अंबेडकर नगर - अलीगढ़ - फतेहपुर - देवरिया - महोबा - सोनभद्र - चंदौली - मिशरिख - भदोही का विकास	67.51
41.	उत्तर प्रदेश	विरासत परिपथ	2016-17	कालिंजर किला (बांदा) - मगहर धाम (संत कबीर नगर) - चौरी चौरा, शहीद स्थल (फतेहपुर) – महौर शहीद स्थल (घोसी) - शहीद स्मारक (मेरठ) का विकास	33.97
42.	उत्तर प्रदेश	रामायण परिपथ	2017-18	अयोध्या का विकास	127.21
43.	उत्तर प्रदेश	आध्यात्मिक परिपथ	2018-19	जेवर - दादरी - सिकंदराबाद - नोएडा - खुर्जा - बांदा का विकास	12.03
44.	उत्तर प्रदेश	आध्यात्मिक परिपथ	2018-19	गोरखनाथ मंदिर (गोरखपुर), देवीपट्टन मंदिर (बलरामपुर) और वटवाशिनी मंदिर (डुमरियागंज) का विकास	15.76
45.	उत्तराखंड	इको परिपथ	2015-16	टिहरी झील के चारों ओर टिहरी - चंबा - सरेन का विकास	69.17
46.	उत्तराखंड	विरासत परिपथ	2016-17	कुमायूं क्षेत्र - कटारमल - जोगेश्वर - बैजनाथ - देवीधुरा का विकास	76.32

47.	पश्चिम बंगाल	तटवर्ती परिपथ	2015-16	बीच परिपथ का विकास : उदयपुर - दीघा - शंकरपुर - ताजपुर - मंदारमणि - फ्रासेरगंज - बख्खलई - हेनरी द्वीप	67.99
48.	उत्तर प्रदेश और बिहार	मार्गस्थ सुविधाओं का विकास (उप योजना)	2018-19	सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सहयोग से उत्तर प्रदेश और बिहार में वाराणसी - गया; कुशीनगर - गया - कुशीनगर में मार्गस्थ सुविधाओं का विकास	15.07

पर्यटन मंत्रालय द्वारा सीमावर्ती राज्यों में प्रशाद योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण:-

(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	राज्य / संघ राज्य क्षेत्र	परियोजना की संख्या	परियोजना का नाम	संस्वीकृति का वर्ष	अनुमोदित लागत
1.	अरुणाचल प्रदेश	1.	परशुराम कुंड, लोहित जिला का विकास	2020-21	**37.88**
2.	असम	2.	गुवाहाटी में और आसपास कामाख्या मंदिर तथा तीर्थस्थलों का विकास	2015-16	**29.80**
3.	बिहार	3.	विष्णुपद मंदिर, गया, बिहार में बुनियादी सुविधाओं का विकास	2014-15	**4.27**
		4.	पटना साहिब का विकास	2015-16	**41.54**
4.	गुजरात	5.	द्वारका का विकास	2016-17	**13.08**
		6.	सोमनाथ में तीर्थयात्री सुविधाएं	2016-17	**45.36**
		7.	प्रशाद योजना के अंतर्गत सोमनाथ में प्रोमेनेड का विकास	2018-19	**47.12**
		8.	सोमनाथ गुजरात में क्यू मैनेजमैंट सहित तीर्थयात्री प्लाजा का विकास	2021-22	**49.97**
5.	जम्मू एवं कश्मीर	9.	हजरतबल में विकास	2016-17	**40.46**
6.	मेघालय	10.	मेघालय में तीर्थ यात्रा की सुविधाओं का विकास	2020-21	**29.32**
7.	नागालैंड	11.	नागालैंड में तीर्थस्थल अवसंरचना का विकास	2018-19	**25.26**
8.	पंजाब	12.	अमृतसर में करुण सागर वाल्मीकि स्थल का विकास**	2015-16	**6.40**
		13.	प्रशाद योजना के अंतर्गत् रोपड़, पंजाब में चमकौर साहिब का विकास	2021-22	**31.57**
9.	राजस्थान	14.	पुष्कर / अजमेर का समेकित विकास	2015-16	**32.64**
10.	सिक्किम	15.	युकसोम में फोर पेट्रन सेंट्स में तीर्थयात्रा सुविधा का विकास	2020-21	**33.32**
11.	त्रिपुरा	16.	त्रिपुर सुंदरी मंदिर, उदयपुर का विकास	2020-21	**37.84**

12.	उत्तराखंड	17.	केदारनाथ का समेकित विकास	2015-16	**34.77**
		18.	प्रशाद योजना के अंतर्गत बद्रीनाथजी धाम (उत्तराखंड) में तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए अवसंरचना का विकास	2018-19	**39.24**
		19.	प्रशाद योजना के अंतर्गत उत्तराखण्ड में गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में तीर्थयात्रा अवसंरचना सुविधाओं में वृद्धि	2021-22	**54.36**
13.	उत्तर प्रदेश	20.	मेगा टूरिस्ट परिपथ के रूप में मथुरा - वृंदावन का विकास (चरण II)	2014-15	**14.93**
		21.	मथुरा जिले के वृंदावन में पर्यटक सूचना केन्द्र का निर्माण**	2014-15	**9.36**
		22.	वाराणसी का विकास- चरण-I	2015-16	**20.40**
		23.	गंगा नदी, वाराणसी में क्रूज पर्यटन	2017-18	**10.72**
		24.	प्रशाद योजना - चरण II के अंतर्गत वाराणसी का विकास	2017-18	**44.60**
		25.	गोवर्धन, मथुरा, उत्तर प्रदेश में अवसंरचना सुविधाओं का विकास	2018-19	**39.74**
14.	पश्चिम बंगाल	26.	बेलूर का विकास	2016-17	**30.03**

केंद्रीय एजेंसियों को सहायता योजना के तहत पर्यटन मंत्रालय द्वारा केंद्रीय एजेंसियों को स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

(रु. लाख में)

वर्ष	राज्य	परियोजनाओं का नाम	एजेंसियां	स्वीकृति राशि
2017-18	पंजाब	जेसीपी अटारी में ढांचागत विकास के लिए परियोजना	बीएसएफ	1312.00
2019-20	उत्तर प्रदेश (वाराणसी और इलाहाबाद- I, इलाहाबाद- II), बिहार (भागलपुर), पश्चिम बंगाल (कोलकाता) और असम (नेमाती, पांडु, जोगीघोपा और बिश्वनाथघाट)	राष्ट्रीय जल मार्ग संख्या 1 और 2 पर रिवर क्रूज पर चढ़ने/उतरने के नौ (09) मुख्य बिंदुओं पर घाटों के विकास के लिए सीएफए	आईडब्ल्यूएआई	2803.05
2020-21	मिजोरम	आइजोल, मिजोरम में कन्वेंशन सेंटर और संबंधित अवसंरचना का विकास	डब्ल्यूएपीसीओएस	3994.75

****